गिल्लू पाठ का सारांश

इस पाठ में लेखिका महादेवी वर्मा का एक छोटे, चंचल जीव गिलहरी के प्रति प्रेम झलकता है।

एक दिन लेखिका ने देखा कि एक बौंसा गिलहरी को अपना शिकार बना लिया था। तभी लेखिका गिलहरी को बचाकर अपने कमरे में ले आई और उसे मरहम-पट्टी किया। धीरे-धीरे उन दोनों के बीच बहुत प्यारा सा सबंध जुड़ गया। लेखिका ने उसका नाम गिल्लू रखा। कुछ दिनों बाद लेखिका बीमार हो गयी थी जिस्से उसका गिल्लू से मिलना नही हो पा रहा था। गिल्लू का काजू मनपसंद खाना था परंतु उसे लेखिका के हाथ से ही खाना अच्छा लगता था।

एक दिन गिल्लू ने अपने ठंडे हाथों से लेखिका की उँगली पकड़ी फिर लेखिका ने हिटर चालू कर दिया। पर जब सुबह हुई तब उसने देखा कि गिल्लू मृत्यु प्राप्त कर चुका था।